रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99

REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 812] नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 5, 2003/भाद्र 14, 1925
No. 812] NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 5, 2003/BHADRA 14, 1925

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 2003

का.आ. 1023(अ).—केन्द्रीय सरकार, सिक्का निर्माण अधिनियम, 1906 (1906 का 3) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अवधारित करती है कि :—

(क) "**दादाभाई नवरोजी**" की स्मृति में केन्द्रीय सरकार के प्राधिकार के अधीन जारी करने के लिए टकसाल में निम्नलिखित अंकित मूल्य के सिक्के का निर्माण भी किया जाएगा, अर्थात् :—

पांच रुपए; और

(ख) उक्त अधिनियम की धारा 6 के उपबंधों के अनुसार निर्मित किए जाने वाले पांच रुपए अंकित मूल्य का सिक्का निम्नलिखित विमाओं और डिजाइन के अनुरूप होगा और निम्नलिखित मिश्रित धातु संरचना के अनुरूप होगा, अर्थात् :—

सिक्के का अंकित मूल्य	रूप और बाह्य व्यास	दांतों की संख्या	धातु संरचना
1	2	3	4
पांच रुपए	गोल 23 मिलीमीटर प्रतिभूति किनारों सहित	100	**ताम्र-निकल मिश्रधातु** तांबा—75 प्रतिशत निकल—25 प्रतिशत

डिजाइन

मुख भाग

सिक्के के मुख भाग पर अशोक स्तंभ का सिंह शीर्ष होगा जिसके नीचे "सत्यमेव जयते" इबारत अंतर्लिखित होगी, उसकी ऊपरी बांई परिधि पर हिन्दी में "भारत" शब्द और ऊपरी दांई परिधि पर अंग्रेजी में "INDIA" शब्द होगा। उस पर सिंह शीर्ष के नीचे अंतर्राष्ट्रीय अंकों में अंकित मूल्य "5" भी होगा और निचली बांई परिधि पर हिन्दी में "रुपए" शब्द और निचली दांई परिधि पर अंग्रेजी में "RUPEES" शब्द होगा। परिधि पर 52 मणिकाएं होंगी।

पृष्ठ भाग

सिक्के के पृष्ठ भाग पर "**दादाभाई नवरोजी**" की प्रतिकृति होगी। बांई ऊपरी परिधि पर हिन्दी में "**दादाभाई नवरोजी**" शब्द और दांई

ऊपरी परिधि पर अंग्रेजी में "DADABHAI NAOROJI" शब्द होंगे। प्रतिकृति के नीचे अंतर्राष्ट्रीय अंकों में 1825—1917 अंक दर्शित होंगे। परिधि पर 52 मणिकाएं होंगी।

पांच रुपए के सिक्के की प्रतिभूति किनारी

सिक्के की किनारी दांतदार या सीधे रेखांकन और प्रतिभूति किनारी के साथ ढाली जाएगी। किनारी के मध्य में रिक्त स्थानों से विभाजित दो खंडों के भीतर डिजाइन के साथ एक उथला कुंज होगा इस डिजाइन में उभार के साथ मणिकाओं की शृंखला होगी और प्रत्येक मणिका के पीछे उभार के साथ झुकी हुई एक रेखा होगी। इसमें कुल 30 रेखाएं और 30 मणिकाएं होंगी।

[फा. सं. 7/2/2001-सिक्का II(II)]

अपराजिता चौधरी, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 5th September, 2003

S.O. 1023(E).—In exercise of the powers conferred by Section 6 of the Coinage Act, 1906 (3 of 1906), the Central Government hereby determines that :—

(a) the coins of the following denomination shall also be coined at the Mint for issue under the authority of the Central Government in the memory of "DADABHAI NAOROJI", namely :—

Five Rupees; and

(b) the coin of the denomination of Five Rupees as aforesaid to be coined in accordance with the provisions of Section 6 of the said Act shall conform to the following dimensions and designs and to the following mixed metals of composition, namely :—

Denomination of the coin	Shape and outside diameter	Number of serrations	Metal composition
1	2	3	4
Five Rupees	Circular 23 millimeters with security edges	100	**Cupro-Nickel Alloy** Copper—75% Nickel—25%

Designs

Obverse

This face of the coin shall bear the Lion Capitol of Ashoka Pillar with the legend "सत्यमेव जयते" inscribed below, flanked on the left upper periphery with the word "भारत" in Hindi and on the right upper periphery flanked with the word "INDIA" in English. It shall also bear the denominational value "5" in international numerals below the Lion Capitol flanked on the left lower periphery with the word "रुपए" in Hindi and right lower periphery with the word "RUPEES" in English. There shall be 52 beads on the periphery.

Reverse

This face of the coin shall bear the portrait of "DADABHAI NAOROJI". On the left upper periphery with the words "दादाभाई नवरोजी" inscribed in Hindi and on the right upper periphery "DADABHAI NAOROJI" in English. The figure 1825—1917 shall shown below the portrait in international numerals. There shall be 52 beads on the periphery.

Security Edge for 5 Rupees

The edge of the coin shall be milled with a serrated or upright milling and security edge. At the centre of the edge there shall be shallow groove with a design inside the two sections separated by blank spaces. This design shall consists of chain of beads in relief and each bead being followed by one inclined line in relief. There shall be total 30 lines and 30 beads.

[F. No. 7/2/2001-Coin II(II)]

APARAJITA CHOWDHURY, Under. Secy.

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.